प्रेस विज्ञप्ति

डीप लर्निंग पर आईआईटी मंडी का वर्कशॉप, एग्जीक्युटिव्स और वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए सीखने का अभूतपूर्व अवसर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) में काम करने के इच्छुक प्रोफेशनल्स के लिए आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन द्वारा 6 दिन के वीकेंड वर्कशॉप का आयोजन

मंडी, 21 जून 2021: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी द्वारा आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन (आईहब) के सहयोग से एग्जीक्युटिव्स और वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए 6 दिन का वीकेंड वर्कशॉप – डीप लर्निंग क्रैश कोर्स (एडीएलसीसी 2021) आयोजित किया जा रहा है। आयोजन 3 जुलाई 2021 और 18 जुलाई 2021 (6 दिन, 3 सप्ताहांत के दौरान) के बीच किया जाएगा। आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन के साझा प्रयास से यह वर्कशॉप प्रत्येक सप्ताहांत सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होगा जिसमें जिसमें थियोरी के व्यापक सत्र होंगे और फिर दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक लैब सेशन होंगे। वर्कशॉप के समापन पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और इस आधार पर उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

डॉ आदित्य निगम, वर्कशॉप कॉर्डिनेटर और सहायक प्रोफेसर, कंप्युटिंग एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल, आईआईटी मंडी ने इस वर्कशॉप के बारे में बताया, "यह वर्कशॉप एआई /एमएल की जादुई दुनिया में कदम रखने का प्रवेश द्वार है। व्यापक जानकारी देने की इस योजना के तहत विभिन्न विशेषज्ञों के सत्र आयोजित किए जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सेशन व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए बने हैं जो नौसिखिए उम्मीदवारों के लिए वरदान साबित होंगे। आशा है यह वर्कशॉप एआई/एमएल लर्निंग को जन–जन तक सुलभ बनाने में कारगर होगा।

प्रौद्योगिकी में हाल के बदलाव और कम्प्युटेशन की क्षमता बढ़ने के चलते डीप लर्निंग आधारित आर्किटेक्चर के नए प्रतिमान का व्यापक अन्वेषण किया जा रहा है। विभिन्न समुदायों ने इन आर्किटेक्चर का उपयोग कर कंप्युटर विजन, इमेज प्रोसेसिंग और अन्य लगभग सभी प्रकार की समस्याओं का हल किया है। बहुत उच्च आयामी पैरामीट्रिक स्थान पर अनुकूलन के लिए ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) सक्षम सिस्टम पर एल्गोरिदम लागू करना होगा। इस दिशा में हाल के कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में बहुत अधिक शोध–कार्य प्रस्तुत किए गए हैं जिनका मकसद कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क्स (सीएनएन), रिकरंट न्यूरल नेटवर्क्स (आरएनएन), ऑटोएन्कोडर और अन्य डीप लर्निंग उपकरणों की शक्ति का लाभ लेकर कंप्यूटर विजन, इमेज प्रोसेसिंग, स्पीच प्रोसेसिंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) आदि क्षेत्रों की समस्याओं को हल करना है।

वर्कशॉप के मुख्य आकर्षण :

- मशीन लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क की बुनियादी जानकारियां
- कनवल्शनल न्यूरल नेटवर्क्स
- वस्तु स्थानीयकरण और पहचान
- ऑटोएन्कोडर और वैरियेशनल ऑटोएन्कोडर
- जेनरेटिव एडवरर्सियल नेटवर्क
- रीकरेंट न्यूरल नेटवर्क और लांग शॉर्ट–टर्म मेमोरी, सायमीज नेटवर्क
- ट्रांसफॉर्मर नेटवर्क

एग्जीक्युटिव्स और वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए डीप लर्निंग की अहमियत बताते हुए एडीएलसीसी 2021 के मुख्य वक्ता और स्कूल ऑफ कंप्युटिंग एण्ड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वरुण दत्त ने कहा, "पहली बार इस तरह का वर्कशॉप आयोजित किया गया है। इसके प्रायोजक हैं आईहब और आईआईटी मंडी और पूरी वर्कशॉप सीरीज़ में साल 2021 में कुल 6 वर्कशॉप होने हैं। वर्तमान वर्कशॉप में छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग कर्मियों के लिए एआई / एमएल के विषयों के व्यावहारिक ज्ञान के सत्र होंगे जिनमें मानव–कंप्युटर संपर्क सहित कई क्षेत्र शामिल किए जाएंगे।''

वर्कशॉप के मुख्य वक्ता हैं:

- डॉ. आदित्य निगम – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
- डॉ वरुण दत्त – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
- डॉ. अर्णव भावसर – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
- डॉ. दिलीप ए.डी. – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
- डॉ. चेतन अरोड़ा – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
- डॉ कमलेश तिवारी – बिड़ला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स), पिलानी

इच्छुक प्रतिभागी वेबपेज https://www.iitmandi.ac.in/ADLCC2021/ के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। वर्कशॉप में चुने हुए प्रतिभागियों के बैच होंगे। इसके लिए आवेदकों का चयन पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। वर्कशॉप में प्रतिभागियों को अत्याधुनिक एआई/एमएल तकनीकियों की व्यापक जानकारी दी जाएगी। साथ ही, व्यापक व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए ट्यूटोरियल सेशन होंगे। यह वर्कशॉप आईहब और आईआईटी मंडी में शोध के लिए इंटर्नशिप का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

###

आईआईटी मंडी का परिचय

जुलाई 2009 में 97 विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ आज आईआईटी मंडी में 125 फैकल्टी, 1,655 विद्यार्थी हैं जो संस्थान के विभिन्न अंडरग्रैजुएट, पोस्टग्रैजुएट और रिसर्च प्रोग्राम में नामांकित हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या 1141 हो गई

है। इस पूर्णतः आवासीय संस्थान में 1.4 लाख वर्गमीटर का निर्माण पूरा हो गया है। इसमें 88 कमरों का गेस्ट हउस, 750 सीटर ऑडिटोरियम, कैम्पस स्कूल, खेल परिसर और अस्पताल भी है।

आईआईटी मंडी में चार एकेडमिक स्कूल और तीन प्रमुख शोध केंद्र हैं। ये स्कूल हैं : स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग; स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़; स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और स्कूल ऑफ ह्युमैनीटीज़ एवं सोशल साइंसेज़। ये केंद्र हैं : एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी : 60 करोड़ रु. की लागत से तैयार), सेंटर फॉर डिज़ाइन एण्ड फैब्रिकेशन ऑफ इलैक्ट्रिकल डिवाइसेज़ (सी4डीएफईडी; 50 करोड़ के फैब्रिकेशन टूल हैं) और बायोएक्स सेंटर (15 करोड़ के शोध उपकरणों के साथ)। 2017 में जैवतकनीकी विभाग, भारत सरकार ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. की विशिष्ट फार्मरजोन प्रोजेक्ट के लिए चुना।

उद्योग जगत की बढ़ती जरूरतों और विद्यार्थियों की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आईआईटी मंडी ने पिछले 10 वर्षों में 7 बी टेक, 7 एम. टेक., 5 एम.एससी., 4 पीएच.डी. और 1 एमए प्रोग्राम शुरू किए हैं। संस्थान का प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। अगस्त 2019 से आईआईटी मंडी ने डाटा साइंस एवं इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स और बायोइंजीनियरिंग में डुअल डिग्री के 3 नए और यूनिक बी. टेक. प्रोग्राम शुरू किए। स्थापना से लेकर अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक लगभग 120 करोड़ रु. के 275 से अधिक शोध–विकास प्रोजेक्ट पर कार्यरत रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संस्थान ने 11 अंतर्राष्ट्रीय और 12 राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से सहमति करार किए हैं।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। इसने सन् 2017 से अब तक 75 स्टार्ट–अप्स की मदद की है। कैटलिस्ट ने बाहरी सहयोग के तौर विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से 24 करोरु. राशि की राशि हासिल की है। आईआईटी मंडी का एक अन्य खास प्रोग्राम 'इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली' (ईडब्ल्यूओके) है जिसका मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2020 में आईआईटी मंडी को 31वां रैंक दिया गया है।

Twitter: @iit_mandi
Facebook: IIT Mandi
Website: https://www.iitmandi.ac.in

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in/ **Landline: 01905267832**
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com.
Kajal Yadav – Footprint Global Communications
Cell: 8805966194 / Email ID: kajal.yadav@footprintglobal.com